राजस्व या लोक वित्त

करारोपण (TAXATION)

अर्थ एवं उद्देश्य

कर (TAX) क्या है?

कर एक अनिवार्य भुगतान है। जो जनता द्वारा सरकार को अनिवार्य रूप से भुगतान किया जाता है तथा प्रतिफल स्वरूप किसी विशेष सेवा की आशा नहीं की जाती।

आधुनिक काल में आय प्राप्त करने का ***करारोपण*** एक महत्वपूर्ण साधन माना जाता है। अतः लोकवित्त में ***करारोपण*** का अध्ययन महत्वपूर्ण है।

सरकार की आय का सबसे बड़ा स्रोत कर ही है। अतः सरकार के द्वारा जनता पर विभिन्न प्रकार के कर लगाना करारोपण कहलाता है।

सरकार द्वारा आय प्राप्त करना **कर-प्रणाली** पर बहुत निर्भर करता है क्योंकि यदि सरकार की कार्यप्रणाली ऐसी हैं जिनसे समाज को बहुत कम त्याग करना पड़ता है तथा उससे ***सामाजिक न्याय*** पहुंचता है तो सरकार को अधिक आय प्राप्त होगी।

कर चुकाने से व्यक्ति को त्याग करना पड़ता है। जिसके फलस्वरूप बचत में कमी होती है। अतः सरकार की कर प्रणाली ऐसी होनी चाहिए जो अर्थव्यवस्था में उत्पादन, वितरण तथा बचत पर बुरा प्रभाव न डाले। अन्यथा समाज को हानि होगी।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

इसके साथ साथ सरकार कर प्रणाली निर्धारित करते समय अवश्य ध्यान रखें कि ***करारोपण न्यायपूर्ण*** हो तथा लोगों पर ***कम से कम भार*** पड़े।

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद
नकुल ढाली
The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

Follow me:

Facebook- *Nakul Dhali*
Instagram- *@nakuldhali*

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

करारोपण के उद्देश्य
(OBJECTIVES OF TAXATION)

सरकार द्वारा कर लगाने के पीछे कुछ उद्देश्य होते हैं, जिनकी वह पूर्ति करना चाहती है।

कर लगाने के निम्न उद्देश्य हो सकते हैं-

आय (REVENUE)

सरकार को अपने कार्य को पूरा करने के लिए बहुत व्यय करना पड़ता है। और व्ययों की पूर्ति के लिए सरकार को आय प्राप्त करनी होती है। वर्तमान काल में कर आय का प्रमुख साधन है।

आर्थिक विषमताओं का निवारण

कर लगाने का यह उद्देश्य भी होता है कि समाज में आर्थिक विषमताओं में कमी की जाए अर्थात समाज में उत्पत्ति का न्यायपूर्ण वितरण किया जाए। इसके लिए *सरकार धनी वर्ग पर अधिक कर लगाए तथा उनसे जो रकम वसूल की जाती है, उसे निर्धन पर खर्च की जाए।*

औद्योगिक विकास में सहायक

सरकार का कर लगाने का उद्देश्य औद्योगिक विकास करना भी हो सकता है। कई बार देश के उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए भी सरकार आयात कर लगा देती है, जिससे बाहर से आने वाली वस्तुओं महंगी हो जाती है और इस प्रकार देश के उद्योगों को बाहरी स्पर्धा से बचाया जा सकता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

उपभोक्ता वस्तुओं पर नियंत्रण

कभी कभी सरकार यह चाहती है कि समाज में मादक एवं नशीली वस्तुओं की उपभोग में कमी हो। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए विदेशों से आने वाली वस्तुओं पर ऊंचा आयात कर या चुंगी लगाकर उसे निरुत्साहित कर सकती है।

मुद्रा प्रसार को रोकना

जिसप्रकार **आर्थिक उच्चावन** को रोकने में करों का महत्त्व है, ठीक उसी प्रकार से ***मुद्रा प्रसार*** को रोकने में भी करों का महत्त्व है। मुद्रा प्रसार से मुद्रा का चलन वेग बढ़ जाता है। लोगों की क्रय शक्ति को बढ़ता है परंतु मुद्रा की क्रय शक्ति घटती है।

प्रोफेसर लर्नर के अनुसार, **"करारोपण का मुख्य उद्देश्य व्यक्ति की क्रय शक्ति को कम करना है अथवा व्यक्ति की जेबों को खाली करना है। जब सरकार यह चाहती है कि व्यक्ति कम खर्च करें तो वह कर की दरों को बढ़ाकर यह नए कर लगा कर अपने उद्देश्य को प्राप्त करती है। इसलिए यह मुद्रा प्रसार की स्थिति में तो अवश्य ही करारोपण का अधिक प्रयोग होना चाहिए"।**

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्था में कर नीति

भारत एक विकासशील देश है। जिसकी कर नीति विकसित देशों की तुलना में भिन्न है। भारत की मुख्य समस्या पूंजी निर्माण के साथ आर्थिक विकास करना भी है।

अतः भारत जैसी अर्थव्यवस्था में कर नीति ऐसी होनी चाहिए जो निम्नलिखित उद्देश्यों की पूर्ति कर सके-

आर्थिक विकास को गति देना

विकासशील अर्थव्यवस्था में कर नीति का मुख्य उद्देश्य आर्थिक विकास को तीव्र गति प्रदान करना होना चाहिए इसके लिए कर नीति का स्वरूप ऐसा हो कि-

- *लोगों के कार्य करने, बचत एवं विनियोजन की क्षमता एवं इच्छा में वृद्धि हो।*
- *उपभोग व्यय में कमी करके पूंजी निर्माण में वृद्धि की जा सके।*
- *नए पूंजीगत क्षेत्र में पूंजी विनियोग को प्रोत्साहन प्राप्त हो सके।*
- *साधनों की पूर्ति एवं कुशलता में वृद्धि करके विनियोग को प्रोत्साहन दिया जा सके।*

आर्थिक अतिरेक का पूंजी निर्माण के लिए उपयोग

इस अर्थव्यवस्था में मुख्य समस्या आर्थिक विकास करना होता है जिसके लिए पूंजी निर्माण आवश्यक है।

सरकार की कर नीति का स्वरूप इस प्रकार होना चाहिए कि अर्थव्यवस्था को आर्थिक अतिरिक्त का उपयोग निर्माण के लिए किया जा सके।

आर्थिक अतिरेक *अभिप्राय वास्तविक उत्पादन एवं उपभोग व्यय के अंतर से है।*

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

अतः करारोपण इस प्रकार से किया जाए ताकि उपभोक्ताओं ने तो कमी हो किंतु वास्तविक उत्पादन पर बुरा प्रभाव ना पड़े।

मुद्रास्फीति की प्रवृत्ति पर रोक

सामान्य विकासशील अर्थव्यवस्था में आर्थिक विकास के साथ मुद्रास्फीति में प्रवृत्ति उत्पन्न हो जाती है, जिससे करारोपण की सहायता से नियंत्रित करना आवश्यक होता है। इसलिए यह नीति इस प्रकार से निश्चित की जाए कि उत्पादन वृद्धि की तुलना में लोगों की क्रय शक्ति अधिक नहीं बढ़े।

आय वितरण की विषमताओं को दूर करना

विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में सरकार की करारोपण की नीति का यह भी उद्देश्य होना चाहिए कि समाज में जो आर्थिक विषमताए पाई जाती हैं, उनको दूर किया जाए। इसके लिए सरकार को ***प्रगतिशील करारोपण*** की नीति अपनानी होगी।

क्षमता अनुसार अंशदान

इन देशों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए आर्थिक विकास को गति प्रदान करने के लिए आवश्यक है कि देश का प्रत्येक नागरिक अपने योग्यता के अनुसार कुछ ना कुछ अंशदान अवश्य करें। इससे यह फायदा होगा कि सरकार को पर्याप्त आय प्राप्त हो जाएगी। इसके अतिरिक्त देश के विकास में सभी वर्गों का कुछ ना कुछ योगदान अवश्य होगा जो सामाजिक न्याय की दृष्टि से तर्कसंगत हैं।

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद
नकुल ढाली
The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

Follow me:

Facebook- *Nakul Dhali*
Instagram- *@nakuldhali*

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE